श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति,
राजस्थान का उद्‌बोधन

पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की वीडियो कॉफ्रेंसिंग से संबधित माननीय राज्यपाल महोदय का उद्‌बोधन

दिनांक 23 अप्रेल, 2020 समय दोपहर : 01.15 बजे

स्थान : राजभवन, जयपुर

केन्द्र सरकार की ओर से उपस्थित सुश्री अमिता प्रसाद संयुक्त सचिव, कला एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, श्रीमती श्रेया गुहा, प्रमुख सचिव, पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्रालय एवं विभिन्न राज्यों के उपस्थित सचिवगण एव प्रतिभागी बन्धु गण कोविड–19 के मद्देनजर आज सम्पूर्ण देश में पिछले एक माह से हमारे कलाकार बन्धुगण आजीविका की परेशानियों से जूझ रहे हैं।

पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के तहत राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन एवं दीव, दादर और नागर हवेली को सम्मलित करते हुए क्षेत्र में लगभग 12 हजार कलाकार प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से पंजीकृत हैं, इसके अतिरिक्त हजारो कलाकार जो अपंजीकृत हैं, उनकी आजीविका का भी संकट पैदा हो गया है।

इस मीटिंग के माध्यम से मैं कहना चाहूंगा कि आप समर्पण एवं सेवा भाव से इन कलाकारों की सुध लेवें। मैं यह जानता हूं कि पिछले एक माह से आप सब लोग जी–जान से इन कलाकारों के हितार्थ कार्य कर रहे हैं परन्तु मै चाहूंगा इसमें थोड़ी ओर गति लावें।

सबसे पहले मैं आप से अनुरोध करूंगा कि आप उन कलाकारों तक राशन किट एवं कैश बेनीफिट प्राथमिकता से पहुंचाये, जिनकी आजीविका पूर्णतया कला के प्रदर्शन पर टिकी हुई है, जो कलाकार गरीबी रेखा में जीवनयापन करते हैं तथा टैक्स की सीमा में नहीं आते है।

जैसा की आपको विदित है लोकडाउन 3 मई तक प्रभावित है, और समय लगने की सम्भावना है। अतः उन कलाकारों के जीविकोपार्जन हेतु आने वाले महीनों में इनकी व्यवस्थाओं के बारे में आपको गहन मंथन करना पड़ेगा, यह भी आपको जेहन में रखना होगा कि कलाकार बहुत स्वाभिमानी होता है एवं यह भी सम्भव है कि कई लोग आपके द्वारा दी गई सहायता को लेने से इंकार करे। अतः उन्हें राशन या अन्य कोई राशि सहायता स्वरूप दी जाती है तो उन्हे पारिश्रमिक के रूप में बदलने हेतु आपको युक्ति निकालनी होगी।

राजस्थान के सन्दर्भ में देख ले यहां पर लंगा, मांगनियार, कालबेलिया, कठपूतली, भोपा, मिरासी एवं अन्य कलाकार ऐसे है जो शादी ब्याह अथवा अन्य उत्सवों पर जाकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं एवं उसकी पारिश्रमिक से अपनी जीविका चलाते हैं। जैसा कि आपको विदित है इस समय समस्त उत्सवों पर पाबंदी है, अन्य कोई

वैकल्पिक रोजगार नहीं होने के कारण उनके पास आजीविका हेतु बड़ी विकट समस्या उत्पन्न हो गई है।

राजस्थान सरकार ने हाल मे ही मुख्यमंत्री लोककला प्रोत्साहन योजना लागू की है इसके माध्यम से कलाकार अपना वीडियो या ऑडियो क्लिप सरकार को भेजते हैं, इस क्लिप के ऐवज में सरकार उनको पारिश्रमिक देती है। परन्तु यह भी समीचीन होगा कि ज्यादातर कलाकार पढ़े लिखे नहीं होने के कारण स्मार्ट फोन का उपयोग नहीं कर पाते हैं। मेरा इस मंच के माध्यम से अनुरोध है कि समाज के अंतिम छोर पर कलाकारों को सहायता पहुंचाई जानी चाहिये, जिन कलाकारों के पास कला प्रदर्शन के अतिरिक्त जीविका का कोई साधन नहीं है।

इस मंच के माध्यम से मैं आपके माध्यम से राज्य सरकारों से यही अनुरोध करूंगा कि इन सब कलाकारों को किसी संस्था या एलआईसी के तत्वावधान में इनका ग्रुप इंश्योरेंस कराया जाये ताकि इनकी अचानक मृत्यु अथवा दुघर्टना होने पर इनके परिवार को परिलाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त सहयोगी पेंशन योजना के तहत इन कलाकारों का पंजीकरण कराया जाये ओर सरकार एक निश्चित राशि प्रति माह इनके खाते मे जमा करायें।

इस मुश्किल वक्त मे मैं यह भी चाहूंगा कि समस्त राज्य सरकारें एक कलाकार निधि कोष का भी गठन करे एवं इस कोष में देश विदेश के कला प्रेमी लोगों को दान देने हेतु प्रोत्साहित करें। मेरा मन कहता है कि आप या आपका कोई भी अधिकारी, कर्मचारी एक बार इन कलाकारों से दूरभाष पर वार्ता कर लेवें एवं उनकी स्थिति जान कर पात्र व्यक्तियों को सरकारी सहायता पहुचायें, यह हमारे देश के अमूल्य कला संस्कृति एवं विरासत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मैं आप लोगों से अनुरोध करता हूँ कि संक्षिप्त में अपने राज्य के संबंधित वक्तव्य इस मंच पर रखें, ताकि हम सब एक दूसरों के प्रयासों से लाभान्वित हो एवं कलाकारों के हित में एक कार्ययोजना बना सकें।

धन्यवाद। जय हिन्द।